जैव भूगोल एवं जैव विविधता

डॉ. रतन जोशी

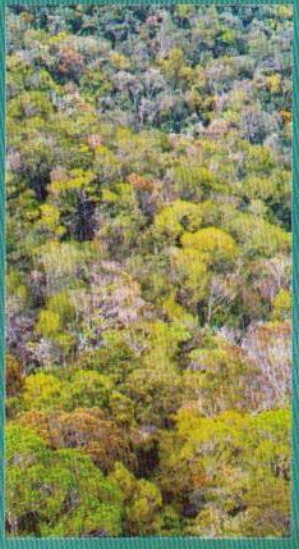

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

विषय-सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	**जैव भूगोल का विकास एवं अध्ययन क्षेत्र :** जीवमण्डल, जैव भूगोल—परिभाषा, अध्ययन-क्षेत्र व विषयवस्तु, जैव भूगोल की शाखायें, अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध, जैव भूगोल का विकास, प्रमुख अवधारणाएँ।	1-14
2.	**जैव विकास :** जैव विकास—लैमार्कवाद, डार्विनवाद, अन्य सिद्धान्त, कालक्रमानुसार जीवों का उद्‌भव।	15-26
3.	**पारिस्थितिकी तंत्र :** पारिस्थितिकी एवं आवास, पारिस्थितिक तंत्र के प्रकार, पारिस्थितिक तंत्र के घटक, कार्यप्रणाली—खाद्य शृंखला, खाद्य जाल, पारिस्थितिक पिरामिड, ऊर्जा प्रवाह, जैव भू-रासायनिक चक्र, जल-चक्र, गैसीय चक्र, फास्फोरस-चक्र।	27-60
4.	**पादप—वातावरण, अनुक्रिया, समुदाय एवं अनुक्रमण :** पादपों का विकासीय इतिहास, पादप एवं पर्यावरण—जलवायवी कारक, मृदीय कारक, स्थलाकृतिक कारक, जीवीय कारक, पादपों की वातावरण से अनुक्रिया, पादप समुदाय—स्तरीकरण संघटन, पादप समुदाय का वर्गीकरण—रैंकियर के अनुसार, क्लीमेण्ट्स के अनुसार, पादप अनुक्रमण—कारक, प्रकार, सामान्य प्रक्रम।	61-93
5.	**पादप-वर्गीकरण, प्रकीर्णन एवं वितरण :** पादप वर्गीकरण—आकारिकी वर्गीकरण, पारिस्थितिकीय वर्गीकरण, फलों एवं बीजों का प्रकीर्णन—प्रकीर्णन के साधन, पादप प्रकीर्णन अवरोध, पादपों का वितरण, वनस्पति प्रदेश—न्यूबिगिन के अनुसार, गुड के अनुसार।	94-124

6. **जन्तु—उद्भव, वातावरण एवं वर्गीकरण :** 125-141
जन्तुओं का विकासीय इतिहास, जन्तु एवं वातावरण—जलवायु, धरातलीय स्वरूप, मृदा, जलराशियाँ, वनस्पति, जन्तु, जन्तुओं का वर्गीकरण—वर्गिकी वर्गीकरण, पारिस्थितिक वर्गीकरण।

7. **जन्तुओं का विसरण, पार्थक्य एवं वितरण :** 142-170
जन्तुओं का विसरण—प्रभावित करने वाले कारक, विसरण के प्रकार, विसरण के रोध, विसरण के साधन, पार्थक्य—कारक, जन्तुओं का वितरण—प्रतिरूप, भौगोलिक वितरण, प्राणी-भौगोलिक प्रदेश।

8. **जीवोम :** 171-194
जीवोम के प्रकार—उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन, उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन, उष्णकटिबंधीय झाड़ी वन, उष्णकटिबंधीय घास भूमि एवं सवन्ना, शीतोष्ण पर्णपाती एवं वर्षा वन, बोरियल वन, शीतोष्ण घास भूमियाँ, चैपरेल, पर्वत, टुण्ड्रा तथा मरुस्थल।

9. **जैवविविधता :** 195-230
जैवविविधता के स्तर, महत्त्व एवं आवश्यकता, जैवविविधता के प्रकार, वृहद् जैवविविधता एवं भारत, जैवविविधता के तप्त स्थल—पश्चिमी घाट, जैवविविधता पर संकट, संरक्षण संवर्ग, क्षेत्र विशेषी जातियाँ, संकटग्रस्त जातियाँ, जैवविविधता का संरक्षण—स्वस्थाने संरक्षण, बहिर्स्थाने संरक्षण।

10. **जैविक संसाधनों का संरक्षण :** 231-247
मृदा संसाधन—मृदा अपरदन कारक, मृदा संरक्षण, वन संसाधन—वन-विनाश के कारण, प्रभाव, वन संरक्षण, वन्य जीवों का संरक्षण, वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण में संलग्न संस्थायें एवं व्यक्तित्व।

❑❑❑